युद्धविराम के बाद चौकस

पूर्व सैनिक संगठनों ने भी दोहराया संकल्प हर वक्त तैयार

किसी भी आपात स्थिति से निपटने को तैयार हैं

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 50 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 19 मई 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

अफवाह न फैलाएं, साइबर अटैक से बचें

पीत पत्रकारिता भी समाज को कमजोर करती है

राजनीति करने वालों को बाज आना चाहिये

आतंकियों के ठिकाने ध्वस्त कर पाकिस्तान की रीड़ तोड़ने के बाद पहाड़ से मैदान तक सजग

पि.हि. प्रतिनिधि

भारत-पाकिस्तान के बीच छिड़ चुके युद्ध के दूरगामी परिणामों से चिन्ता में आई दुनिया की मानते हुए फिलहाल युद्धविराम है लेकिन इस प्रकरण के बाद पूरा देश चौकन्ना भी है। असल में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत के आपरेशन सिंदूर से आर्तकियों को खौफ था। आतंकी अड्डों को नुकसान पहुँचने के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान की 15 शहरों में हमले की कोशिश को नाकाम करने के साथ ही उसके एयर डिफेंस पूरी तरह तबाह कर दिया। आर्तकियों के ठिकानों को ध्वस्त कर पाकिस्तान की रीड़ तोड़ने के बाद पहाड़ और भी सजग है। पाकिस्तान द्वारा अपनी सीमा से लगे इलाकों में भारतीय नागरिकों को जिस प्रकार से निशाना बनाया गया उसकी सभी ने निन्दा की है और भारतीय सेना को इसके जवाब में हमले तेज करने पड़े।

आर्तकियों के ठिकानों पर हमले के बाद पूरे देश की तरह उत्तरखण्ड में भी लोगों ने सड़कों पर उतरकर भारतीय सेना जिन्दाबाद के नारे लगाये और कहा हम भी सीमा पर जाकर लड़ना चाहते हैं। भारत के बड़े सैन्य हमले के बाद पूरा पहाड़ सजग और जोश में है। चीन और नेपाल सीमा से लगे उत्तराखण्ड में सभी ने कायराना हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने की बात कही है। पूर्व सैनिक संगठनों ने सीमा सुरक्षा के लिये हर प्रकार से तैयार रहने और अवसर मिलने पर लड़ाई में जाने की बात कही गई है।

शेष अन्तिम पृष्ठ पर

भारत के मीलपत्थर

इसलिए कृष्ण कहलाए पूर्णावतार

सूर्यकान्त बाली

तो यह धर्म क्या था, जिसकी स्थापना करना कृष्ण ने अपने अवतार का प्रयोजन बताया? धर्म को लेकर हमारी चेतना साफ हो जानी चाहिए। हिन्दू परम्परा ध र्म का वह अर्थ नहीं लेती, जो अंग्रेजों के रिलीजन शब्द से निकलता है और जिस अर्थ-कसौटी पर इस्लाम या इन्सानियत खरे उतरते हैं। हिन्दू विचार इन दोनों को धर्म नहीं, सम्प्रदाय या पन्थ मानता है, जिसमें वैचारिक जड़ता और साम्प्रदायिक संकीर्णता होती है। कृष्ण जैसा अप्रतिबद्ध, कर्म-परम्परा का प्रतीक व्यक्तित्व जड़ता और संकीर्णता का हामी हो ही नहीं सकता था।

धर्म का अर्थ है जीवनमूल्य और जीवन मूल्य है कि हर व्यवसाय ही नहीं, हर व्यक्ति और समाज में बदलते रहते हैं। इसलिए भारतीय परम्परा में हरेक का अपना धर्म है- राजधर्म, नारी धर्म, पति धर्म, पुत्र धर्म, वाणिज्य धर्म, जाति धर्म, ब्राह्मण धर्म, गृहस्थ धर्म, युग धर्म वगैरह। इसलिए भारत में न कभी धर्म को परिभाषाओं में बाँधा गया, न ही सब पर थोप दिए जाने वाले विधि-निषेधों में जकड़ा गया और न ही उसे किसी एक व्यक्ति, ग्रन्थ या उपासना विधि का प्रतीक माना गया। धर्म की ग्लानि और अधर्म के अभ्युत्थान के सन्दर्भ में साधुओं के परित्राण और दुष्कृतों के विनाश की कैसी भी व्याख्या आप करना चाहें, आपको इसी सन्दर्भ में करनी पड़ेगी।

इसलिए गीता में, जिसे कृष्ण का जीवनदर्शन माना जाता है, किसी एक सम्प्रदाय या विचारधारा को धर्म कहकर उसका प्रतिपादन नहीं किया गया। गीता में अपने समय की तमाम विचारसरणियों का विवरण है। वहाँ संख्या है, योग है, कर्म है, ज्ञान है, भक्ति है, सन्यास है, ध्यान है, अक्षरब्रह्मयोग है, राजविद्या है, विभूतिवर्णन और उसका प्रतिनिधि विश्वरूप दर्शन है, प्रकृति पुरुष विवेचन है, दैवी-आसुरी सम्पदा है, यज्ञ प्रकार हैं और मोक्ष का वर्णन है। अगर हम यह जानना चाहेंगे कि कृष्ण ने इनमें से किस धर्म का खास प्रतिपादन किया है तो गीता हमें कोई दो टूक उत्तर नहीं देती। दो टूक उत्तर यही देती है कि इसमें से किसी एक के साथ कृष्ण खुद को नहीं बाँधते। बाँधते होते तो इसने सारे जीवन मूल्यों का सविस्तार प्रतिपादन नहीं करते।

और तो और, कृष्ण ने एकाधिक बार कहा है कि जो वे अब कह रहे हैं, वह सनातन धर्म है-एष धर्मः सनातनः। इसके भरोसे उन हिन्दू कर्मकाण्डियों ने जो कल तक छुआछूत, पूजापाठ, कर्म काण्ड और जात-पात को ही इस देश की आत्मा कहते रहे और आर्य समाज के उद्भव के बाद अपने विचारों को सनातन धर्म कहना जिन्होंने शुरू किया, वे गीता की दुहाई देकर कहते हैं कि देखो वहाँ भी सनातन धर्म को महत्व मिला है और साफ कह दिया गया है कि दूसरे का धर्म मत अपनाओ, चाहे अपने धर्म के कारण मर ही क्यों न जाना पड़े-स्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो भयावहः। पर यह धर्म की वही कर्मकाण्डी और साम्प्रदायिक व्याख्या है, जिस पर इस्लाम और ईसाइयत तो खरे उतर सकते हैं, हिन्दुत्व नहीं, क्योंकि वहाँ धर्म का अर्थ है जीवन मूल्य या जीवन जीने की शैली जो राजा और मंत्री के अलग-अलग हो सकते हैं, पति और पत्नी के अलग-अलग हो सकते हैं, पिता और पुत्र के, भाई और बहन के, ब्राह्मण और वैश्य के, किसान और कुम्हार के, कसाई और समाज सुधारक के अलग-अलग हो सकते हैं।

कृष्ण के कामों और उनकी उक्तियों के सन्दर्भ में उनके जीवन का लक्ष्य बांचा जाए तो हमें सफलता से परिचय नहीं होगा। उनके काम एक ही दिशा में, एक-दूसरे के साथ जुड़ते हुए बढ़ते नजर नहीं आते। वे राक्षसों का वध करते हैं, मथुरा छोड़ द्वारका जा बसते हैं, सारथि बनते हैं और युद्ध में ही नहीं, हमेशा पाण्डवों का साथ देते हैं, इन सब में कोई ऐसा सम्यक सूत्र नहीं है, जो कृष्ण के किसी एक महान लक्ष्य की ओर हमें ले जाता हो। कृष्ण पाण्डवों के साथ सिर्फ इसलिए नहीं थे कि पाँचों पाण्डव कोई बड़े नैतिकतावादी या धर्म पर, मूल्यों के सन्दर्भ वाले धर्म पर मर मिटने वाले थे, बल्कि इसलिए थे कि धृतराष्ट्र के पुत्रों के बजाय कुन्ती पुत्र उनके ज्यादा निकट थे, अर्जुन के वे सखा थे और द्रौपदी के साथ उनके सम्बन्धों में राग और भ्रातृत्व का कोई अद्भुत समन्वय था। पाण्डव चाहे खुद बड़े तपस्वी और महात्मा न रहे हों, पर उनके साथ पूरा न्याय नहीं हुआ था, उनके विरुद्ध शुरु से ही हत्या-षड्यन्त्र

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

आपरेशन सिंदूर
आतंकियों को कमरतोड़ जवाब

आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के मुख्यालय समेत बड़े ठिकानों पर भारतीय सेना का जबर्दस्त हमला आतंकियों को कमरतोड़ जवाब है। तमाम आतंकी घटनाओं के साथ ही ताजा घटना पहलगाव में निर्दोष पर्यटकों को मारने वाले बदमाशों के लिये पाकिस्तान उनकी सुरक्षा का गढ़ बना हुआ है और वहाँ की सेना इन्हें साज-सुरक्षा दे रही हो तब 'आपरेशन सिंदूर' का होना जरूरी हो गया था। जिन लोगों आतंकियों ने मारा था उनके सिंदूर का बदला ही यह आपरेशन है। साथ ही सामरिक शक्ति, रणनीति, इच्छाशक्ति और प्रतिशोध का नाम है यह आपरेशन।

इस आपरेशन में भारतीय सेना के जल, थल, नभ के जवानों ने अपने शौर्य का प्रदर्शन कर दुनिया को यह बता दिया है कि भारत चुप रहता है तो इसका मतलब यह नहीं कि वह अपने ऊपर किसी भी प्रकार के हमले सहता रहेगा। विश्व की बड़ी शक्तियों में से एक भारत ने अपने इस अभियान से सभी को सन्देश दे डाला है कि भारत अपनी ताकत का सही समय और सही जगह प्रयोग करता है। यही कारण है भारतीय सेना ने 25 मिनट के आपरेशन में 24 मिसाइल दागते हुए 9 आतंकी ठिकाने तबाह कर दिये जिसमें करीब सौ से ज्यादा आतंकी ढेर हुए। इस अभियान का लक्ष्य आतंकी संगठनों को पंगु बनाना है। आम नागरिकों को बचाते हुए भारतीय सेना ने आतंकियों को चुन-चुन कर मारना शुरू किया तो पाकिस्तानी सेना सीमा पर निहत्थों पर हमला करने लगी। पाकिस्तान की इस हरकत को नाकाम करने के साथ ही भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुस कर जिस प्रकार का सैन्य प्रदर्शन किया उससे आतंकी और उन्हें पनाह देने वाले दहल चुके हैं। पूरी दुनिया की नज़र भारत-पाक के बीच चल रहे तनाव पर है। पाकस्तिान के कट्टरपन्थी जान चुके हैं कि भारत की ताकत के सामने वह कुछ नहीं हैं लेकिन उनकी हेकड़ी बनी रहती है। 'आपरेशन सिंदूर' के मायनों को उसे समझ लेना चाहिये क्योंकि इसके बाद भी यदि पाकिस्तान अपनी अकड़ में रहता है तो उसे परिणाम भुगतने होंगे। और युद्ध का परिणाम नुकसान ही देता है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

सिंगापुर सांसद में विपक्षी नेता बने प्रीतम

सिंगापुर। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंश बोग ने पुष्टि की कि वर्कर्स पार्टी महासचिव प्रीतम सिंह तीन मई को हुए आम चुनाव के बाद नयी संसद में विपक्ष के नेता बने रहेंगे तथा उनके पास कर्तव्यों का निर्वाहन करने के लिये कर्मी और संसाधन मौजूद रहेंगे।

आतंक के खिलाफ भारत के साथ जापान

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अपनेजापानी समकक्ष जनरल नकातानी के साथ व्यापक वार्ता की। इस दौरान आतंकवाद की समस्या और हिन्द प्रशान्त क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियों पर बात के अलावा जनरल नाकतानी ने कहा आतंक के खिलाफ जापान भारत के साथ है।

मालदीव रक्षा समझौतों को संशोधित कर रहा

माले। मालदीव के राष्ट्रपति ने कहा कि भारत से मौजूदा रक्षा समझौतों में संशोधन किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मालदीव की सम्प्रभुता व स्वतन्त्रता प्रभावित नहीं हो। कहना है घनिष्ठ सम्बन्धों के तहत किया समझौतों में संशोधन।

पोस्ट करने से पहले भारत ने चेताया

बीजिंग। चीन स्थित भारतीय दूतावास ने सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स को आग्रह कियाहै कि वह पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर किए गये भारतीय सैन्य हमले के बारे में सोशल मीडिया पर सन्देश साझा करने से पहले उसकी पुष्टि कर ले।

आदेश तक पंजाब में समारोह नहीं होगा

जालन्धर। भारतीय सेना द्वारा आपरेशन सिन्दूर के क्रम में बीएसएफ ने निर्देश दिये हैं कि अगले आदेश तक जेसीपी पर होने वाले रिट्रीट समारोह नहीं होंगे। कहा कि लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी व्यक्ति को जेसीपी पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इजारल ने अपने नागरिकों से अपील की

यरुशलम। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर इजराइल ने अपने नागरिकों से मौजूदा यात्रा परामर्श को अद्यतन किया है जिसमें कश्मीर क्षेत्र में रहने वाले लोगों से तुरन्त इलाका छोड़ने का आह्वान किया है।

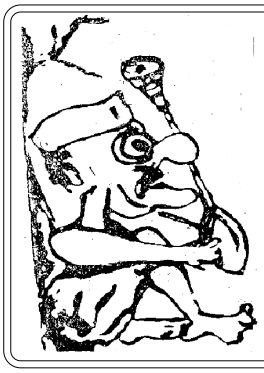

फसक

दाज्यू, गदरगोली करने वाले पैने हो गये ठैरे

अब तो लट्ठ की भाषा ही समझ आ रही है बल

दाज्यू, हमारे मोहल्ले में नारंगी, बैगनी, हरा और सफेद झण्डा लगा हुआ है। हम सोच रहे हैं कि इन्हें लगाने वालों के मन में कैसी दुनिया बनी है पता नहीं। वैसे भी गदरगोल करने वाले पैने हो गये ठैरे। मर्दन सिंह नेता-अधिकारियों को पकड़-पकड़ कर फेसबुक में चैप रहा है। दाज्यू, यही तो पैनापन कलजुग में तेज हो गया है। दुनिया वालों को बताने में पीछे न रहो कि दुनिया के हर फन्नेखाँ को हम जानते हैं। अब देखा जरा, देघाट में 36 किलो गांजे के साथ 6 जुवा नेता पुलिस ने पकड़ लिये। भतरौजखान में भी 7 किलो गांजे के साथ तीन को पकड़ा गया।

दाज्यू, हमारी सेना पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले कर रही थी उस समय रात को मोहल्ला समाचार देख रहा था कि मीडिया वाले कैसे चिल्लाते हुए खबर बता रहे हैं। दाज्यू, शहर में मच्छरों का भी आतंक बहुत है। समाचार देखते हुए हमने कई चटका दिये। मौका दे सरकार तो हम भी सीमा पर कुछ करें। नेता बगलू ने शहर में होर्डिंग लगवा दिये हैं। दाज्यू, हम तो सेना को हाथ जोड़ रहे हैं जिनके शौर्य से देश-प्रदेश सुरक्षित है।

दाज्यू, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य कह रहे हैं- 'उत्तराखण्ड में कानून व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुकी है। भाजपा शासन में शान्त पहाड़ों में भी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं।' दाज्यू, जंगल तो नाम के रह गये हैं दुनिया में चल रहा जंगलीपन खतरनाक हो गया है। ऐसे में किस कानून की बात की जाए? जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने मोबाइल से शिक्षकों एवं छात्रों की की हर दिन उपस्थिति भेजने के विभाग के आदेश का विरोध किया है। हमारे गफलत मास्साब दिनभर मोबाइल से खेलते रहते हैं और रिमझिम मैडम रील बनाती हैं।

दाज्यू, इस जंगली दुनिया में अब तो लट्ठ की भाषा ही समझ आ रही है बल। रायपुर देहरादून में झगड़े में युवती ने लिव इन पार्टनर को चाकू मार दिया बल। यहीं दूसरी घटना में बिहार के एक युवक ने इंस्टाग्राम पर युवती से दोस्ती कर उसके साथ दुष्कर्म कर दिया। युवती कह रही है- 'युवक उसे प्रिंस चौक के होटल में ले गया और वीडियो भी बनाया है। दाज्यू, कुकर्मियों की संगत में कुछ भी हो सकता है।

कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने बीकेटीसी में नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा है- 'हेमन्त द्विवेदी हमारे धर्मों की गरिमा, परम्परा और मान्यता के अनुसार मन्दिर समिति का अध्यक्ष नहीं बन सकते हैं। उन्हें राजनीतिक षड्यन्त्र कर कुर्सी सौंपी गई है। इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।' दाज्यू, नेताओं का शोर मचने ही वाला ठैरा। बांकी सच्चाई सबको पता ही हुई। कोई अजगर और मुदगर जब दर्जा मंत्री बन जाते हैं तो उन्हें बधाई के लिये लाइन लम्बी लगती है।

दाज्यू, हम बदरीनाथ पूजा को जा रहे थे तभी पता चला कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से पीएचडी कर रही एक छात्रा का यौन उत्पीड़न करने वाला प्रोफेसर बर्खास्त हो चुका है। दाज्यू, सब गदरगोल मची है।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

सोप स्टोन उद्यमियों ने मुख्यमंत्री के सामने उठाईं समस्याएं

हल्द्वानी। हिमालय चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने सोप स्टोन पाउडर के कारोबार में आ रही विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से देहरादून में भेंट की। सीएम ने इन समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत के नेतृत्व में प्रतिनिध मण्डल ने सीएम के सामने समस्याएं उठाईं। कहा कि सोप स्टोन खनन, परिवहन और व्यापार से जुड़े उद्योगों में कई तरह के प्रशासनिक और तकनीकी अड़चनें हो रही हैं। इनमें खनन पर पाबन्दी, पर्यावरणीय स्वीकृतियों में देरी, परिवहन नियमों की जटिलताएं हैं।

70वां खेलोत्सव मुनस्यारी जून में

मुनस्यारी। जोहार क्लब के तत्वावधान में आयोजित होनी वाला ग्रीष्मकालीन खेल आयोजन जून में होगा। जून के प्रथम पखवाड़े में होने वाले खेलोत्सव के लिये तैयारियां होने लगी हैं। इसमें फुटवाल सीनियर वर्ग, अण्डर 14 बालक और बालिका वर्ग, बालीवाल, कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, बाक्सिंग, मैराथन की प्रतियोगिताएं होंगी। क्लब द्वारा बताया गया है कि फुटबाल प्रतियोगिता के लिये प्रविष्टियां होने लगी हैं। इच्छुक खिलाड़ी व टीमें समय से अपना नाम दर्ज करा लें

गंगोत्री में हेलिकॉप्टर हादसे की जांच

उत्तरकाशी। गंगोत्री मन्दिर जा रहे हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से सांसद की बहन सहित 6 की मौत हो गई थी, इस हादसे की उच्चस्तरीय जांच जारी है।

घटना अनुसार गंगोत्री जा रहे हेली के गंगानानी के समीप अनियन्त्रित होकर खाई में गिरने से तेलगूदेशम पार्टी के सांसद जी.लक्ष्मीनारायण की बहन वेदवती समेत 6 लोगों की मृत्यु हो गई थी। इस मामले में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिये। जांच में हादसे के कारणों का पता किया जा रहा है। कहा है कि यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था हमारे लिये सर्वोपरि है।

पेयजल योजना की मांग पर आन्दोलन

लोहाघाट। सरयू लिफ्ट पेयजल की मांग और नगर में पानी की समुचित व्यवस्था को लेकर लोहाघाट विकास संघर्ष समिति का एसडीएम कोर्ट में धरना प्रदर्शन जारी है। समिति के अध्यक्ष विपिन गोरखा के नेतृत्व में तमाम संगठनों ने अपना समर्थन आन्दोलन को दिया। फिलहाल आश्वासन पर आन्दोलनकारी मान चुके हैं लेकिन सुधार न होने पर फिर से आन्दोलन की चेतावनी दी है।

मुवानी महाविद्यालय नये भवन में शुरू

थल। राजकीय महाविद्यालय मुवानी को 11 वर्ष बाद अपना भवन मिल चुका है। मंगरौली में नवनिर्मित भवन में कालेज शिफ्ट हो चुका है। 2014 में स्थापित इस कालेज की कक्षाओं का संचालन इण्टर कालेज के दो कक्षों में हुआ था। बाद में भवन तो बना लेकिन नये कालेज भवन तक जाने के लिये 900 मीटर सड़क निर्माण नहीं हुआ थ। अब सुविधाएं होने पर कालेज नये भवन में चलेगा।

सुलभ शौचालय का कार्य ठप

थल। बस स्टेशन के निकट स्थित इंटरनेशनल सुलभ शौचालय का जीर्णोद्धार कार्य पिछले दो माह से ठप होने के कारण नागरिकों को दिक्कत हो रही है। 1998 में इस शौचालय का निर्माण हुआ था और वर्तमान में इसका जीर्णोद्धार किया जा रहा था लेकिन ठेकेदार आधा कार्य कर छोड़ चुके हैं। व्यापार मण्डल अध्यक्ष गंगा सिंह मेहता ने यात्रियों की सुविधा के लिये निर्माण कार्य पूर्ण करने की मांग की है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

डीडीए को लेकर बजता ढोल

प्राधिकरण को लेकर विधायक और मेयर का हमला, बताया इसे गैंग

हल्द्वानी। विकास प्राधिकरण की चल रही कार्रवाई को लेकर पिछले काफी समय से चर्चाएं और हलचल सबने देखी और सुनी हैं लेकिन अब तो मेयर भाजपा नेता गजराज बिष्ट और हल्द्वानी के विधायक व कांग्रेसी नेता सुमित हृदयेश ने प्राधिकरण पर हमला बोलते हुए इसे गैंग बताया है। इन दोनों जन प्रतिनिधियों ने जिस प्रकार से हमला बोला है उसे देख शक-सन्देह स्वाभाविक है। मेयर गजराज ने सांसद अजय भट्ट के सामने खुलेआम कहा कि हल्द्वानी में विकास प्राधिकरण में भ्रष्टाचार व्याप्त है। भवनों के मानचित्र स्वीकृत करने के एवज में एक से दो लाख रुपये तक लिए जा रहे हैं। गरीब लोगों में इनकी दहशत है। इसके बाद विधायक सुमित ने प्रदेश में भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा अड्डा प्राधिकरण को बताते हुए कहा कि इसके अधिकारी और कर्मचारी वसूली करते हैं। कहा हमारे प्रदेश में 75 से 80 प्रतिशत भूमि नजूल भूमि है और नजूल भूमि के लिए कोई नीति नहीं है। इसलिए कोई भी ऐसा क्षेत्र जैसे दमुवाढूंगा, राजपुरा, भोलानाथ गार्डन में कोई अपने भवन में छोटा काम भी करवाए जिला विकास प्राधिकरण के लोकर सूंघते पहुंचते हैं।

डीडीए ने 25 लोगों को दिये नोटिस, यदि भ्रष्ट्राचार है तो बताएं : डब्बू

हल्द्वानी में विकास प्राधिकरण को लेकर विधायक और मेयर की अलग-अलग प्रेस वार्ता के बाद से यह मामला तूफान की तरह फैल चुका है। ऐसे में मण्डी परिषद चैयरमैन राज्यमंत्री डॉ. अनिल कपूर डब्बू ने भी पत्रकार वार्ता कर डाली और कहा कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा भ्रष्ट्राचार की शिकायत आती है तो तुरन्त सीएम या मुझे बताएं। अवैध वसूली व मनमानी की शिकायत विजिलेंस में भी करें। सिर्फ आरोप लगाने से काम नहीं चलेगा। इधर जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण की टीम ने नैनीताल, भवाली क्षेत्र में सर्वेक्षण अभियान चलाकर 25 भवन स्वामियों को नोटिस दिये हैं। बताया गया है कि भवाली के 40 भवनों के सत्यापन में किसी का भी नक्शा पास नहीं कराया गया था।

प्लाटिंग के नाम पर धोखाधड़ी रोकना है

हल्द्वानी। जनप्रतिनिधियों द्वारा विकास प्राधि करण पर आरोप के बाद जिला विकास प्राधिकरण के संयुक्त सचिव ए.पी. वाजपेयी ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि विकास प्राधिकरण का मकसद अनियोजित अनियन्त्रित निर्माण पर रोकथाम के साथ ही प्लाटिंग के नाम पर सरकारी भूमि व अवैध ढंग से हो रही बसासत को रोकना है। इससे भूमि धोखाधड़ी के विवाद पर नकेल कसेगी और जनता को भी नियमानुसार भूस्वामित्व मिल सकेगा। डीडीए संयुक्त सचिव व सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि बीते दो माह में 1 मार्च से 2 मई तक 202 नक्शों को मंजूरी दी जा चुकी है। नक्शा स्वीकृत कराने के लिये पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इन नक्शों को निर्धारित समय में स्वीकृत करना होता है। आवासीय नक्शा 15 दिनों में स्वीकृत करना होता है, यदि इस अवधि में स्वीकृत नहीं करें तो स्वत: स्वीकृत माना जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि डीडीए ने अवस्थापना निधि के अन्तर्गत हल्द्वानी में 32.84 करोड़ से 14विकास योजनाओं का काम हो रहा है

ज्योतिष की बातें- 229

23 मई 2025 को बुध मित्रराशि वृषभ में प्रवेश करेगा। वहाँ पर शनि की पापदृष्टि भी होगी। इसलिये बुध सामान्य शुभ फलदायक रहेगा। बुध बुद्धि, स्मरण शक्ति, व्यापार-वाणिज्य, गणित, लेखनकार्य, वाणी, संचार साधन, पत्र व्यवहार तथा मामा आदि का कारक होता है। बुध एक सौम्य ग्रह है इसलिए बुध के अशुभ फल उतने तीव्र एवं कठोर प्रकृति के नहीं होते हैं जितने की शनि, मंगल, राहु एवं केतु के होते हैं। फलदीपिका के अनुसार बुध दूसरे, चौथे, छठवें, आठवें, दसवें व ग्यारहवें स्थान पर शुभफल प्रदान करता है। अत: अगले 14 दिन मेष, कुम्भ, धनु, तुला, सिंह व कर्क राशि के जातकों के लिए बुध शुभ फलदायक रहेगा। शेष राशियों के लिए सामान्य फल समझना चाहिए। इस स्थायी स्तम्भ में ग्रहों का गोचरफल मन्त्रेश्वरकृत फलदीपिका ग्रन्थ आधार पर चन्द्रराशि के अनुसार प्रस्तुत किया जाता हे। यह गोचर फल नितान्त स्थूल होता है। व्यक्ति विशेष की राशि का सूक्ष्म विश्लेषण उसकी जन्मकुण्डली, महादशा आदि पर निर्भर होता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 119

जनसंख्या पर संकट

आजकल लगभग आधे परिवार या तो अविवाहित रह जाने के कारण सन्तान उत्पन्न नहीं कर सकते अथवा विवाह हो जाने के बाद भी सन्तान नहीं पालना चाहते। और लगभग आधे परिवार एक सन्तान ही केवल चाहते हैं। वर्तमान पीढ़ी में दो सन्तान होना अब दुर्लभ हो गया है।

कल्पना करें यदि वर्तमान युवा पीढ़ी में सभी के पास एक ही सन्तान होगी तो अगली पीढ़ी में जनसंख्या लगभग आधी रह जाएगी और उससे भी अगली पीढ़ी में उसकी भी आधी। अर्थात जनसंख्या तीव्रता से समाप्ति की ओर बढ़ेगी।

पुन: कल्पना करें यदि लोग सन्तान उत्पन्न ही नहीं करेंगे तो अगली पीढ़ी में केवल वृद्ध बचेंगे जो आगे सन्तानोत्पादन में समर्थ भी नहीं होंगे। इस प्रकार एक या दो पीढ़ी में ही जनसंख्या शून्य हो सकती है। यह केवल कल्पना ही नहीं है, ऐसा हो भी रहा है। यूरोप और पूर्वी एशिया के बहुत से देशों में जनसंख्या का भयंकर संकट उत्पन्न हो गया है। भारत में भी कुछ सम्प्रदायों में, कुछ समाजों में और कुछ जातियों में जनसंख्या का गम्भीर संकट उत्पन्न हो गया है। यदि युवाओं की, विशेषकर महिलाओं की, बच्चे न पालने की ऐसी ही प्रवृत्ति रही तो लाखों करोड़ों वर्षों में वृद्धि को प्राप्त हुई करोड़ों की जनसंख्या 40-50 वर्षों में ही समाप्ति के कगार पर पर पहुंच जाएगी। इस पर विचार करना आवश्यक है।

-ओंकार नाथ कोष्टा

पेयजल संकट

उत्तराखण्ड में पानी उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड के लोकगायक नरेन्द्र सिंह नेगी का एक गीत है- गंगा जमुना जी का मुल्क मनखी घोर प्यासा'। कहने को तो ये गीत सालों पहले पिछली शताब्दी में गाया गया था। लेकिन इसकी बातें अब पूरी तरह सच साबित हो रही हैं। जी हाँ.... देश के अनेक राज्यों की प्यास बुझाने वाली गंगा और यमुना नदियों के प्रदेश के लोगों के हलक पानी के बिना सूख रहे हैं। उत्तराखण्ड में भी पानी की किल्लत चिन्ता का सबब बन चुकी है।

उत्तराखण्ड का जल संकट इसलिए भी बड़ा है क्योंकि दिल्ली की प्यास बुझाने के लिए यहाँ से भी पानी की सप्लाई होती है। आलम ये है कि उत्तराखण्ड में 477 जल स्रोत सूखने की कगार पर हैं। उत्तराखण्ड जल संस्थान के ताजे आंकड़े बेहद चिन्ताजनक है। उत्तराखण्ड में पानी की कमी का इसका सबसे बड़ा कारण अन्धाधुन्ध पेड़ों का कटान और पहाड़ों में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य है। देहरादून का शिखर फॉल बड़े पैमाने पर शहर की आदि से ज्यादा आबादी की प्यास बुझाता है, लेकिन इसमें भी अब पानी कम हो गया है।

उत्तराखण्ड इस वक्त पेयजल संकट से गुजर रहा है। 450 से ज्यादा झरने छोटी नदियां जिनका गदेरे कहा जाता है, उनमें पानी की कमी हो गई है। जल संस्थान के आंकड़ों के मुताबिक 50प्रतिशत से लेकर 80प्रतिशत तक इनमें पानी की कमी हो रही है।

पेयजल विभाग के सचिव बातते हैं कि सारा का गठन किया गया है जलागम विभाग के अन्तर्गत स्प्रिंगशेड और रिवर रिजुवेनेशन एजेंसी बनाई गई है। यह एजेंसी पूरे सोर्सेज की मैपिंग करेगी, हमारे स्रोत पूरे सूखने की कगार पर नही बल्कि कुछ 25 तो 50 प्रतिशत है। इसके लिए भविष्य में ट्रीटमेंट कैसा होना है, सारा के अन्दर एक्सपर्ट्स देख रहे हैं। जल स्रोतों का सूखना का कारण अन्धाधुन्ध पेड़ों का काटना और पहाड़ों में बड़े निर्माण कार्य है तो जंगलों में वाटर बॉडी का न बनाना भी है।

निर्देशक उत्तराखण्ड मौसम विज्ञान बिक्रम सिंह ने कहा कि लैंडयूज़ चेंज होता है या डिफोरेस्टेशन होता है, उससे दिक्कत जरूर होती है. पहाड़ों में रोड कंस्ट्रक्शन जिसमें ब्लास्टिंग होती है जो पानी के स्रोत है वह रास्ता बदल देता है। सोशल एक्टिविस्ट ने कहा कि इसका मुख्य कारण है कि पहले पहाड़ों में चाल खाल का निर्माण होता था जिनमे पानी रूकता था और अण्डरग्राउण्ड वॉटर रिचार्ज हो जाता था। जंगलों में आग लगने की वजह से अभी काम पूरी तरह से बन्द हो गया और स्रोत रिचार्ज नहीं हो पा रहे। उत्तराखण्ड सरकार अब एक एक्शन प्लान ला रही है और एक कमेटी बना रही है। जिसे उत्तराखण्ड में पेयजल संकट को दूर किया जा सकेगा और जल्द ही जल स्रोतों को बचाने का काम भी शुरू किया जाएगा। लेकिन अगर सरकार पहले से ही एक्शन प्लान यह कमेटी लाती तो शायद उत्तराखण्ड में ये संकट ना खड़ा होता और नहीं लोगों को प्यास बुझाने के लिए धरने प्रदर्शन करने पड़ते। अब सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इस कमेटी की रिपोर्ट को लागू करें और जल्दी एक एक्शन प्लान तैयार करें ताकि आने वाले समय में पेयजल संकट से बचा जा सके। लिहाजा, फिर भी तमाम उपभोक्ताओं को रोज पानी नहीं मिल पाता और उन्हें पेयजल आपूर्ति के लिए पानी के टैंकर खरीदने पड़ते हैं। हाल ही में जल संस्थान की सभी शाखाओं ने अपने-अपने सम्भावित पेयजल समस्या ग्रस्त क्षेत्रों की रिपोर्ट दी है। जिनमें भीषण गर्मी के दौरान उपभोक्ताओं को पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ा है। गर्मी का पारा जहाँ धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है, वहीं जल संकट ने आमजन की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। कई इलाकों में नलों का पानी समय पर नहीं आ रहा, तो कई जगहों पर नल पूरी तरह सूख चुके हैं। ऐसे में राहत के नाम पर अब सिर्फ टैंकर ही सहारा बने हैं लेकिन उनकी संख्या आवश्यकता के मुकाबले काफी कम है। राज्य में जिन स्रोतों में पानी की कमी आई है, उनमें खासकर गदेरे और झरने शामिल हैं। जाहिर है कि छोटे-छोटे इन पानी के स्रोतों को विकास कार्यों ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। इसीलिए गधेरा और स्प्रिंग आधारित पेयजल योजनाओं के स्रोतों में बड़ा संकट आ चुका है। जबकि देहरादून में ही ऐसे क्षेत्र भी हैं जहाँ एक समय जल स्रोत लोगों की पेयजल समस्या को खत्म करने के लिए अहम योगदान रखते थे, लेकिन अब टैंकरों से गमियों के समय पानी की आपूर्ति करना मजबूरी हो गया है। प्रकृति के साथ ज्यादा छेड़छाड़ सही नहीं है। जब ऐसा होता है तो प्रकृति खुद के स्वरूप को पुनर्स्थापित करने के लिए कुछ ऐसे बदलाव करती है जो इन्सानों पर भारी पड़ सकते हैं. लिहाजा जो संकेत पेयजल को लेकर मिल रहे हैं, उन पर जल्द से जल्द गम्भीर विचार कर कदम उठाना बेहद जरूरी है। नहीं तो पहाड़ से नीचे नदी तो दिखेगी, लेकिन पहाड़ पर पीने का पानी नहीं होगा। प्रदेश के 436 इलाके ऐसे हैं, जहाँ पानी का संकट उत्तराखण्ड जल संस्थान की नजर में सम्भावित है। जबकि ऐसे दूसरे कई और क्षेत्र भी हैं, जहाँ गाड़ गदेरे सूखने की कगार पर हैं और यहाँ भी पेयजल एक बड़ी समस्या बन रहा है। इस तरह देखा जाए तो राज्य में पेयजल की समस्या एक गम्भीर चिन्ता के रूप में सामने आई हुई दिखाई दे रही है। हाल ही में मुख्यमंत्री भी इस मामले में विभाग की समीक्षा बैठक कर चुके हैं, जिसमें राज्य में मौजूदा हालात पर चिन्ता जाहिर की गई। उत्तराखण्ड जल संस्थान की मुख्य महाप्रबन्धक नीलिमा गर्ग कहती हैं कि गर्मी में पेयजल की समस्या को देखते हुए जल संस्थान की तरफ से सभी सम्भावित पेयजल संकट वाले क्षेत्रों का चिन्हीकरण किया जा चुका है। इसके लिए तमाम दूसरी व्यवस्थाएं भी बनाई जा रही हैं। अभी तो सरकार बड़ी चिन्ता चारधाम यात्रा भी है। श्रद्धालुओं को पेयजल के संकट से दूर रखने की चुनौती और आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों को भी पेयजल की उपलब्धता करना जरूरी है। उसके लिए जल संस्थान ने यात्रामार्ग में 199 टैंक टाइप स्टैंड पोस्ट लगाए हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

नैनीताल : एक बुरा सपना सा था वह

पर्यटकों का मोह और सौहार्द बना रहे यही कामना

कार्यालय प्रतिनिधि

नैनीताल। सरोवर नगरी में बालिका के साथ हुए दुष्कर्म और उसके बाद प्रदर्शन को से उपजी अशान्ति पर सभी चिन्तित हैं। आरोपी को सख्त सजा और हुड़दंग करने वालों पर कार्रवाई की मांग के साथ चारों ओर आवाज उठ रही है। नैनीताल में हुई घटना एक बुरा सपना सा था लेकिन यह सब इतना आसान नहीं है। इसकी पूरी जाँच होनी चाहिये क्योंकि नैनीताल जैसे शहर को नज़र लगने से बचाना है। पर्यटकों का मोह और सौहार्द बना रहे इसी कामना के साथ नैनीताल सहित अन्य स्थानों पर भी बैठकें हुई हैं परन्तु नैनीताल की घटना पर उपजा आक्रोश शान्त नहीं हो रहा है। विश्व हिन्दू परिषद का ऐलान है कि आरोपी को कड़ी सजा मिलने तक आन्दोलन होगा। प्रदर्शनकारियों के जुलूस के दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की हुई। हालातों को देखते हुए नैनीताल में भारी पुलिस बल तैनात है और आला अफसर बराबर समीक्षा कर रहे हैं। हल्द्वानी और नैनीताल में पुलिस ने फ्लैगमार्च भी किया और चैकिंग अभियान चलाया गया है।

पूरे हालातों पर नैनीतालवासी चिन्तित हैं और कह रहे हैं कि पर्यटन व्यवसाय तो चौपट हो ही रहा है, लोगों के बीच दूरियां बनाई जा रही हैं। देहरादून में

उपजा आक्रोश थम नहीं रहा है, विहिप का ऐलान

सामाजिक संगठनों ने उत्तराखण्ड को शान्ति की प्रयोगशाला बनाने का संकल्प लिया। कांग्रेस सहित विभिन्न दलों व दर्जनभर सामाजिक संगठनों की बैठक में नफरती हिंसा रोकते हुए अमन की बात कही गई। कहा गया कि सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वालों को रोका जाए। बैठक में उत्तराखण्ड इन्सानियत मंच के रवि चौपड़ा, उत्तराखण्ड महिला मंच की कमला पन्त, अनन्त आकाश, नन्दनन्दन पाण्डेय, स्मृति नेगी, त्रिलोचन भट्ट, विमला कोहली, आशीष विश्वकर्मा, विजयपाल सिंह रावत, आदि थे।

नैनीताल में उपजे हालातों के बाद

अंजुमन इस्लामिया ने आरोपी का किया सामाजिक बहिष्कार

शहर की प्रमुख सामाजिक एवं धार्मिक संस्था अन्जुमन इस्लामिया के सदर शोएब अहमद ने पत्रकार वार्ता करते हुए बताया कि दुष्कर्म के आरोपी का सामाजिक बहिष्कार का फैसला हुआ है। दुष्कर्म की वीभत्स घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। आरोपी उस्मान के खिलाफ बहिष्कार के अलावा प्रशासन से कठोर कार्यवाही की मांग की है।

आरोपी उस्मान की जाँच के लिये फॉरेंसिक टीम ने उसके घर और घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए। टीम ने गैराज के कई नमूने लिये, यहाँ खड़े वाहन में ही दुष्कर्म हुआ था। फॉरेंसिक

नैनीताल व हल्द्वानी में पुलिस का फ्लैगमार्च

विशेषज्ञ डॉ. हेमन्त होल्कर के नेतृत्व में हल्द्वानी और रुद्रपुर की टीम नैनीताल पहुँची थी। नाबालिक के साथ हुए दुष्कर्म को लेकर जिला बार एसोसिएशन ने गम्भीर रुख अपनाते हुए 6 अधिवक्ताओं का पैनल गठित किया है। जिसमें अधिवक्ता गोपाल सिंह कपकोटी, मनीष मोहन जोशी, मुन्नी आर्या और आकांक्षा शामिल हैं। यह पैनल पीड़िता की ओर से केस की पैरवी करेगा। एसोसिएशन ने सांसद अजय भट्ट के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेजकर कहा है कि पीड़िता और उसका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। पॅक्सो कोर्ट तक आना-जाना उनके लिए कठिन है। एसोसिएशन का यह भी कहना है कि आरोपी शासन-प्रशासन में गहरी पकड़ रखता है। ऐसे में मामले की सुनवाई नैनीताल से बाहर होने पर पीड़ित और उसके परिजनों को विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

हल्द्वानी में सशक्त एकता उद्योग व्यापार मण्डल की ओर से जागरूकता पंचायत का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिये फास्ट ट्रेक कोर्ट में सुनवाई की बात कही गई। कार्यक्रम में 200 से अधिक महिलाओं ने भागीदारी करते हुए समाज में बढ़ रहे अपराधों पर चिन्ता जताई। दूसरी ओर फरीद अहमद ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग से नैनीताल शहर में हुई हिंसा की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग को लेकर लिखा है। हल्द्वानी में हिन्दूवादीवादी संगठन लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। हिन्दू महापंचायत करते हुए नेता विपिन पाण्डे ने कहा हिन्दू समाज को जागृत होने की जरूरत है।गोपाल सिंह कपकोटी, मनीष मोहन जोशी, मुन्नी आर्या और आकांक्षा शामिल हैं। यह पैनल पीड़िता की ओर से केस की पैरवी करेगा। एसोसिएशन ने सांसद अजय भट्ट के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेजकर कहा है कि पीड़िता और उसका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। पॅक्सो कोर्ट तक आना-जाना उनके लिए कठिन है। एसोसिएशन का यह भी कहना है कि आरोपी शासन-प्रशासन में गहरी पकड़ रखता है। ऐसे में मामले की सुनवाई नैनीताल से बाहर होने पर पीड़ित और उसके परिजनों को विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

हल्द्वानी में हिन्दूवादीवादी संगठन लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। हिन्दू महापंचायत करते हुए नेता विपिन पाण्डे ने कहा हिन्दू समाज को जागृत होने की जरूरत है।

विकास के लिये पद छोड़ने को तैयार भंडारी

श्रीनगर। नगर निगम बोर्ड की बैठक में मेयर आरती भण्डारी ने कहा कि श्रीनगर के विकास के लिये वह अपने पद से इस्तीफा भी देने को तैयार हैं। दरसल बैठक में नगर आयुक्त नहीं पहुंचे थे जबकि बजट को लेकर अहम बैठक थी। मेयर ने कहा कि नगर आयुक्त का इस प्रकार का काम विकास विरोधी है। वह अपने चहेतों को मेयर बनाना चाहते हैं तो बनाएं।

भीड़ देख केदारनाथ में टोकन व्यवस्था

रुद्रप्रयाग। बाबा केदार के दर्शनों के लिये लगने वाली भीड़ की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिये शासन प्रशासन ने इस बार यात्रा में टोकन प्रणाली लागू की है, जिससे सभी यात्रियों को आसानी के साथ दर्शन हो सकें। इस व्यवस्था से श्रद्धालुओं के लाइन में लगने का तनाव नहीं होगा। 2 मई से शुरू हुई केदारनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ चुकी है। इस भीड़ में कई बार यात्रियों को उलझन का सामना करना पड़ा और विरोध के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए। ऐसे में प्रशासन ने तुरन्त सख्त दिखाते हुए प्रयास किये हैं कि यात्री सुखद अनुभव लेकर ही जाएं। इसके लिये मन्दिर परिसर में प्रवेश से पहले ही हेलीपैड के समीप टोकन सिस्टम लगाया गया है ताकि दर्शनों से पहले ही यात्री को उनके नम्बर की जानकारी मिल सके, इस बीच यात्री केदारपुरी घूम सकेंगे।

टिहरी में सीखेंगे रोजगार के तरीके

हल्द्वानी। निर्माणाधीन जमरानी बांध क्षेत्र के परिवारों को पर्यटन के द्वारा रोजगार से जोड़ने के लिए जिला ग्रामीण विकास प्राधिकरण ने पहल की है, जिसमें जमनारी क्षेत्र के 60 लोगों का दल टिहरी गढ़वाल भेजा गया है। ये सभी टिहरी में रहकर पर्यटन क्षेत्र में रोजगार करने के तरीके सीखेंगे। डीआरडीए के परियोजना निदेशक चन्द्रा फर्त्याल ने बताया कि डीएम वन्दना सिंह के निर्देश के तहत जमरानी क्षेत्र के परिवारों को आजीविका सम्वर्धन गतिविधियों से जोड़ा जाना है। जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भण्डारी के नेतृत्व में 60 लोगों को टिहरी बांध से पर्यटन गतिविधियों की जानकारी लेने को रवाना किया गया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत जमारानी गांव में 2584 करोड़ रुपये की लागत से बांध का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना के मार्च 2028 में पूरा होने तक पर्यटन क्षेत्र से जुड़े कारोबार करने के लिए स्थानीय लोगों को ट्रेनिंग देकर तैयार किया जाना है। इसमें होमस्टे, रिसोर्ट, रिवर राफ्टिंग, बोटिंग, वाटर स्पोर्ट, फ्लेटिंग हट एवं कूज बोट आदि के संचालन के बारे में सीखेंगे। इससे ये लोग अपनी आर्थिकी मजबूत करेंगे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

इसलिए कृष्ण.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

हुआ और वे अपने युद्ध पूर्व व्यवहार में प्रायः उत्तेजक या क्षोभकारी नहीं हुए, उससे वे सबके चहेते बन गए थे। बिन बाप के बेटों को भटकाया गया, इससे उन्हें जन-सहानुभूति भी मिली। कृष्ण भी अगर इन सब कारणों से पाण्डवों के साथ हो गए तो क्या अजब? पर जो लोग यह कहना चाहते हैं कि पाण्डवों का पक्ष न्याय और धर्म का पक्ष था और उनके मार्फत कृष्ण कोई उद्देश्य पूरा करना चाह रहे थे तो इसे पाण्डवों का अधिमूल्यांकन और कृष्ण का अवमूल्यांकन ही कहा जाएगा। पाण्डवों में सब काम ठीक होते तो कृष्ण यह न कहते कि मैं रहता तो युधिष्ठिर को जुआ न खेलने देता। यानी धर्मराज ने भी जुआ खेलकर अधर्म किया। पर इसी कृष्ण ने युद्ध में पाण्डवों से कई तरह के अनैतिक काम भी करवाए, जो युधिष्ठिर भीम और अर्जुन ने हिचकिचाते हुए किए यानी हमारी समस्या वहीं की वहीं है। कृष्ण का जीवन कामों की विविधता और परस्पर विरोधों से भरा पड़ा है, जो हमें किसी एक प्रयोजन की ओर नहीं ले जाता। उनकी गीता कई तरह के और कहीं-कहीं परस्पर विरोधी विचारों से भरी पड़ी है, जो हमें एक विचारधारा से जुड़ने में सहायता नहीं देती। पर चूंकि कृष्ण का भारतीय मानस पर प्रभाव अप्रतिम है, उनका प्रभामण्डल विलक्षण है, उनकी स्वीकार्यता अद्भुत है, उनकी प्रेरणा प्रबल है, इसलिए साफ नजर आ रहे उनके निश्चित लक्ष्यविहीन कर्मों और निश्चित निष्कर्ष विहीन विचारों में ऐसा क्या है, जिसने कृष्ण बना दिया, विष्णु का पूर्णावतार मनवा दिया? कुछ तो है। वह 'कुछ' क्या है?

कृष्ण के जीवन की दो बातें हम अक्सर भुला देते हैं, जो उन्हें वास्तव में अवतारी सिद्ध करती हैं। एक विशषता है, उनके जीवन में कर्म की निरन्तरता। कृष्ण कभी निष्क्रिय नहीं रहे। वे हमेशा कुछ न कुछ करते रहे। उनकी निरन्तर कर्मशीलता के नमूने उनके जन्म और स्तनंधय शैशव से ही मिलने शुरू हो जाते हैं। इसे प्रतीक मान लें (कभी कभी कुछ प्रतीकों को स्वीकारने में कोई हर्ज नहीं होता) कि पैदा होते ही जब कृष्ण खुद कुछ करने में असमर्थ थे तो उन्होंने अपनी खातिर पिता वासुदेव को मथुरा से गोकुल तक की यात्रा करवा डाली। दूध पीना शुरू हुए तो पूतना के स्तनों को और उनके माध्यम से उसके प्राणों को सूच डाला। घिसटना शुरू हुए तो छकड़ा पलट दिया और ऊखल को फँसाकर वृक्ष उखाड़ डाले। खेलना शुरू हुए तो बक, अघ और कलिया का दमन कर डाला। किशोर हुए तो गोपियों से दोस्ती कर ली। कंस को मार डाला। युवा होने पर देश मे जहाँ भी महत्वपूर्ण घटा, वहाँ कृष्ण मौजूद नजर आए, कहीं भी चुप नहीं बैठे, वाणी और कर्म से सक्रिय और दोटूक भूमिका निभाई और जैसा ठीक समझा, घटनाचक्र को अपने हिसाब से मोड़ने की पुराजोर कोशिश की। कभी असफल हुए तो भी अगली सक्रियता से पीछे नहीं हटे। महाभारत संग्राम हुआ तो उस योद्धा के रथ की बागडोर संभाली, जो उस वक्त का सर्वश्रेष्ठ धनुर्धारी था। विचारों का प्रतिपादन ठीक युद्ध क्षेत्र में किया। यानी कृष्ण हमेशा सक्रिय रहे, प्रभावशाली रहे, छाए रहे।

यहाँ आपक उनके जीवन का किसी विशिष्ट लक्ष्यविहीन होना किसी एक लक्ष्य एक से खुद को बाँधना अभिशाप या उपहास्य नहीं, वरदान बन जाता है। शायद कृष्ण इसलिए इतने क्रियाशील, इतने प्रभावशाली और अग्रपूज्य हो सके कि उनका कोई काम किसी विशेष प्रयोजन से अनुप्राणित नहीं था। उस वक्त जो हो रहा है, उसमें क्या ठीक लग रहा है, क्या गलत, इसका फैसला कर अपने को वहाँ जताना और फिर आगे कहीं बढ़ जाना, इतना मात्र प्रयोजन कृष्ण का रहा। इसलिए कृष्ण के प्रयोजन को स्वार्थपूर्ति नहीं कह सकते हैं। यानी वे विवेक को समर्पित होकर, ध्यान दीजिए, लगी-बंधी लकीर वाली नैतिकता या दूसरे बन्धनों को नहीं, लगातार काम करते रहे, कर्मपरायण रहे। उनका कोई कर्म उनके अपने स्वार्थ परिपूर्ण प्रयोजन से अनुप्राणित या उसका पोषक नहीं रहा। यह कृष्ण की प्रतिभा थी, शक्ति थी और प्रभाव था, जो उस युग में किसी के पास नहीं था। व्यास अपनी बुद्धि जीविता में संकुचितकर्म हो गए, भीष्म अपनी प्रतिज्ञा में मारे जिन्दा लाश हो गए। कृष्ण के समकक्ष यही दो लोग उस वक्त थे। युधिष्ठिर भी समकक्ष माने जा सकते हैं, पर वे तो राज्य के लिए लड़ रहे थे, वह भी निहायत निस्तेज तरीके से। इन सब में कृष्ण अपनी विवेक अनुप्राणित और तेजस्वी, सक्रियता, कर्म शीलता के कारण सर्वश्रेष्ण हो गए, अग्रपूज्य हो गए, पूर्णावतार हो गए।

कृष्ण ने इसी जीवन दर्शन को गीता में भी कहा है। जीवन में वे कर्म करते रहे, गीता में वे कर्म का उपदेश दे रहे हैं। जीवन में उनका कोई भी कर्म विवेक का क्रियान्वयन करता है, अपने किसी प्रयोजन की पूर्ति नहीं। गीता में भी वे मनुष्य को जिस कर्म के लिए कहते हैं, उसमें फल के अधिकार को उससे छीन लेते हैं। गीता में उस वक्त की सभी विचारधाराओं का वैसा ही प्रतिपादन है, जैसा कि जीवन में कृष्ण हर घटनास्थल पर उपस्थित रहने के प्रयास में रहे। इस तमाम विचार जंगल में कृष्ण सिर्फ कर्म को मनुष्य के अधिकार क्षेत्र में रखते हैं और जीवन के घटना-महाकान्तार में वे हमेशा सोत्साह कर्मशील नजर आते हैं। गीता में वे कहते हैं कि कर्म हमारे अधिकार क्षेत्र में है, उसका परिणाम हमारे अधिकार क्षेत्र से बाहर है। तो क्या इसीलिए उन्होंने अपने पूरे कर्मपरायण और तेजस्वी जीवन को प्रयोजन-विशेष से नहीं बाँधा?

दो बातें और कहनी हैं। कृष्ण के इस दर्शन को अक्सर गलत शब्दावली में रख दिया जाता है। कह दिया जाता है कि कर्म करो, फल की इच्छा न करो। कोई अव्यावहारिक ही ऐसा कहेगा, कृष्ण जैसा खाँटी व्यावहारिक व्यक्ति नहीं। बल्कि कृष्ण ने कुछ और ही कहा है- मनुष्य का अधिकार कर्म में है-कर्मणेवाधि कारस्ते फल मिलो या नहीं, जाने कैसा मिलेगा, इस पर हमारा बस कहाँ है? इस लिए कर्मफल मनुष्य के अधिकार में नहीं है-मा फलेषु कदाचन(ते अधिकार:) कृष्ण के दर्शन की गलत समझ ने देश को गुलाम बनाया, जबकि ठीक समझ उसे विश्व की महाशक्ति बनाने की अणुशक्ति सँजोए है।

दूसरी बात। समस्या यह है कि फल हमारे अधिकार में नहीं, चूँकि यह कटु यथार्थ है, इसलिए कैसे व्यक्ति कर्म के लिए कर्म करने को उद्यत हो। इसके लिए कृष्ण ने रास्ता बताया है भक्ति का। भक्ति का अर्थ मन्दिर में घण्टियां बजाना नहीं है, समर्पण है। अगर आप समर्पित हैं तो फल पर अधिकार न जताते हुए भी साधिकार कर्म करते चले जाएंगे। पर समर्पण किसको? समर्पण खुद को और किसको? पर यह कैसे सम्भव है? इसी के जवाब में कृष्ण कहते हैं कि मुझे यानी कृष्ण को यानी ईश्वर को समर्पित होकर कर्म करो-'मन्मना भव मद्भक्त:' पर 'कुरु कर्मेव तस्मातत्वम्।' कर्म तो करना ही होगा। इससे पहले वे ग्यारहवें अध्याय में खुद को विश्व के साथ एकाकार कर चुके हैं।

यानी खुद को या कृष्ण को समर्पित होने का अर्थ है विश्व को (समाज को?) समर्पित होना। यानी खुश को समर्पित होना है तो पहले खुद को विश्वाकार बनाना, मानना पड़ेगा। एक बार बन, मान गए तो एक ओर अहं ब्रह्मास्मि का मर्म समझ में आ जाता है तो दूसरी ओर कृष्ण के तेजस्वी, आपतत: निर्लक्ष्य पर सतत कर्मपरायण जीवन का और फल पर अधिकार जताए बिना कर्मशील गीता दर्शन का मर्म भी समझ में आ जाता है। पर खुद को विश्वाकार समझना ही तो कठिन है। इसलिए तो कहते हैं कि कृष्ण बनना ही आसान कहाँ है? पूर्णावतार होना कोई खाला का घर तो नहीं।

(साभार नवभारत टाइम्स)

डीएसबी छात्रावास में छात्रों की रैगिंग, जांच

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर स्थित एक छात्रावास में छात्रों का उनके सीनियर द्वारा रैगिंग व नशीले पदार्थ मगाने का आरोप से हड़कम्प है। मामले की शिकायत के बाद जांच हो रही है। रैगिंग के नाम पर जूनियर का उत्पीड़न होना बेहद शर्मनाक है।

रिश्वत में कोषाधिकारी पकड़ा गया

नैनीताल। विजिलेंस ने मुख्य कोषाधिकारी और कोषागार के लेखाधिकारी को एक लाख बीस हजार की रिश्वत लेते पकड़े गये। शिकायक के बाद पकड़े गये लोगों के बारे में कहा जा रहा है कि वह 6 कर्मचारियों की सुरक्षित कैरियर प्रोन्नति (एपीसी) के लिये रिश्वत ले रहे थे।

रानीखेत में मोबाइल लाइब्रेरी का लोकार्पण

रानीखेत। छावनी परिषद द्वारा क्षेत्र के छात्र छात्राओं एवं आम नागरिकों में पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने व साहित्य के प्रति रुचि जागृत करने के उद्देश्य से मोबाइल लाइब्रेरी ज्ञान वाहिनी का विधि वत लाकार्पण हुआ। परिषद के सदस्य मोहन नेगी व वृक्ष मित्र जोगिन्दर बिष्ट ने संयुक्त रूप से वाहन को रवाना किया।

हरदा की पुस्तक का विमोचन

हल्द्वानी। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की पुस्तक 'उत्तराखण्डियत मेरा जीवन लक्ष्य' का सौरभ होटल में विमोचन किया गया। हरदा की पुस्तक विमोचन मौके पर कारगिल बलिदानी की मां और पूर्व सैनिकों को सम्मान दिया गया। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविन्द सिंह कुंजवाल, विधायक सुमित हृदयेश, पूर्व ब्लाक प्रमुख भोलादत्त भट्ट, पत्रकार अपूर्व जोशी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा सहित बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत 7351285555

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड, दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान मो.- 9760342346

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न.
8958525979,
9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
फोन सम्पर्क-
05961-222236
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सतर्क और तैयार रहें, सम्वेदनशल स्थानों पर गश्त बढ़ाई

आतंकियों के.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

आपरेशन सिंदूर की सफलता अपनी जगह है लेकिन जिस प्रकार से सोशल मीडिया अपने तरीके से रंगा रहा और न्यूज चैनलों की होड़ मची रही वह सब हंसी के पात्र बने हैं। युद्ध विराम के लिये अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्यस्ता पर भी अपने-अपने विचार रख रहे हैं और कहा कि फैसला भारत स्वयं लेता तो बेहतर था। फिलहाल चीन नेपाल सीमा से लगे उत्तराखण्ड में बांधों व राष्ट्रीय प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाई गई है। यात्रा सीजन में निगरानी के लिये अतिरिक्त इन्तजाम कर दिये गये हैं। पाकिस्तान की हरकतों को देखते हुए अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा गया है और स्वयंसेवी संस्थाओं को राहत व बचाव कार्य का प्रशिक्षण दिया गया है।

प्रशासन द्वारा सभी से अपील की गई है कि सैन्य अभियान को लेकर सेना सब खुश हैं लेकिन किसी भी प्रकार अफवाह न फैलाएं और सोशल मीडिया पर किसी प्रकार की भ्रामक बातों को प्रचारित न किया जाए। साथ ही युद्ध के माहौल में पाकिस्तान की ओर से साइबर अटैक किया जा रहा है, उससे बचें। मोबाइल आदि में अनावश्यक साइडों को न खोला

पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आने वाला

ट्रंप की मध्यस्ता पर अपने-अपने विचार

जाए। किसी भी तरह का सन्देह होने पर उसकी सूचना अपने निकटतम थाना, प्रशासनिक कार्यालय पर दी जा सकती है ताकि मामले पकड़ में आएं। युद्ध के इन हालातों में सभी से सतर्क और तैयार रहने को कहा गया है।

पिथौरागढ़ जिले की नेपाल-चीन सीमा पर युद्ध की तैयारी के लिये अलर्ट है। आला अधिकारियों ने जिला अस्पताल और नर्सिंग कालेज का स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये। चम्पावत जिले की नेपाली सीमा पर पूरी तैयारी की जा चुकी हे। देश की सुरक्षा और सामाजिक सम्वेदनशीलता को देखते हुए भ्रामक खबरों, फर्जी सूचनाओं, समाचारों के प्रसार पर रोक लगाने के लिये मीडिया प्रमाणन और अनुवीक्षण समिति का गठन किया गया है। डीएम नवनीत पाण्डे ने कहा कि किसी भी समाचार या सोशल मीडिया पर सूचना देने से पहले सोच-समझ लें। आम जनता तक तथ्य परक जानकारी पहुँचे। आईटीबीपी ने सीमा पर अपनी तैयारी के साथ सघन चैकिंग अभियान चलाया है। बागेश्वर जिलाधिकारी आशीष भटगाई ने आपात उपकरण, मशीनरी, वायरलेस सेट, अस्पताल एवं एंबुलेंस सेवाएं अलर्ट रखने को कहा है।

भारत-पाकिस्तान के बीच हालातों को देखते हुए चारधामयात्रा पंजीकरण केन्द्र पर सुरक्षा सख्त है। यात्रा सीजन देखते हुए केन्द्र सरकार ने राज्य को 15 कम्पनी अर्द्धसेना बल की टुकड़ियां उपलब्ध कराई हैं। हरिद्वार गंगा तट तक पुलिस, अर्द्ध सैनिक बलों ने फ्लैग मार्ग किया। देहादनू, हल्द्वानी समेत अन्य रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा टीम अपनी काम कर रही हैं। राज्य के राष्ट्रीय संस्थानों में भी सुरक्षा कड़ी की गई है। पन्तनगर एयर पोर्ट, नैनीसैनी एयरपोर्ट समेत अन्य की सुरक्षा चाक चौबन्द की गई है।

फिलहाल इस पूरे मामले का इतिहास हमेशा याद रखा जायेगा और नई शुरुआत भी हुई है कि देश की एकता के लिये हर समय तैयार रहना है। जबकि राजनीति करने वाले बाज नहीं आते हैं और पीत पत्रकारिता समाज को कमजोर करती है

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

CYNTHIA
Senior
Secondary
School
Cynthia Lane
Mukani
Haldwani
Dr. Pravindra Rautela
Principal
9410715510

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)